भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1841

दिनांक 30 जुलाई, 2026 को उत्तरार्थ

.....

भूजल में प्रदूषकों का पता लगाना

1841. श्री उमेषभाई बाबूभाई पटेल:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल में रसायन, भारी धातुएं और औद्योगिक प्रदूषक पाए जा रहे हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले पाँच वर्षों के दौरान उक्त संघ राज्यक्षेत्र में कितने स्थानों पर जल की गुणवत्ता की जाँच की गई तथा कितने नमूने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए और उनमें पाए गए विषैले तत्व क्या हैं;

(ग) क्या दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्र को "अत्यधिक दोहन वाले और संदूषित भूजल क्षेत्र" के रूप में घोषित किए जाने संबंधी कोई प्रस्ताव विचाराधीन है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार का राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण कार्यक्रम के अंतर्गत उक्त संघ राज्यक्षेत्र में कोई विशेष सर्वेक्षण करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए नियत समय-सीमा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) और (ख): केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा अनुमोदित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार भूजल गुणवत्ता मॉनिटरिंग कार्यक्रम के माध्यम से संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव सहित पूरे देश में क्षेत्रीय स्तर पर भूजल गुणवत्ता डेटा तैयार किया जाता है। सीजीडब्ल्यूबी द्वारा नवीनतम वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 प्रकाशित की गई है और यह निम्नलिखित वेब-लिंक पर उपलब्ध है:

https://cgwb.gov.in/cgwbpnm/public/uploads/documents/17628543752626804 75file.pdf

वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 के अनुसार, संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी प्रकार के भूजल संदूषण की सूचना नहीं मिली है। वर्ष 2021-2025 की अवधि के लिए भूजल गुणवत्ता डेटा के विश्लेषण से यह संकेत मिलता है कि भूजल की गुणवत्ता आम तौर पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के पेयजल मानकों के अनुरूप थी, जिसमें केवल स्थानीय स्तर पर कुछ मापदंड अनुमेय सीमा से अधिक पाए गए थे। वर्ष 2022-2024 के दौरान दीव में एक स्थान पर उच्च विद्युत चालकता पाई गई, जबकि वर्ष 2022 के दौरान प्रत्येक नमूने में फ्लोराइड और नाइट्रेट की अधिकता पाई गई थी। विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या और मापदंड-वार अनुमेय सीमा से अधिक पाए गए तत्वों के विवरण सहित भूजल गुणवत्ता मॉनिटरिंग का वर्ष-वार विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ग): राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के सहयोग से केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा प्रतिवर्ष संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव सहित पूरे देश के सक्रिय भूजल संसाधनों का आकलन किया जाता है। सक्रिय भूजल संसाधन आकलन, 2025 के अनुसार, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव के तीनों आकलन इकाइयों को 'सुरक्षित' श्रेणी में रखा गया है, जिनमें भूजल निष्कर्षण का स्तर क्रमशः 34.95 प्रतिशत, 60.30 प्रतिशत और 52.60 प्रतिशत आंका गया है। इसके अलावा, वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 के अनुसार, संघ राज्य क्षेत्र में भूजल संदूषण का कोई मामला रिपोर्ट नहीं किया गया है। इसलिए, संघ राज्य क्षेत्र को "अति-दोहित और संदूषित भूजल क्षेत्र" घोषित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ): राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण और प्रबंधन कार्यक्रम (नैक्यूम) के तहत, केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा जलभृत मानचित्रण और भूजल प्रबंधन योजनाएं तैयार किए जाते हैं और कार्यान्वयन के लिए उन्हें संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के प्राधिकारियों के साथ साझा किया जाता है। संघ राज्य क्षेत्र के तीनों क्षेत्रों में नैक्यूम अध्ययन का कार्य पूरा हो चुका है। दादरा और नगर हवेली में, यह अध्ययन वर्ष 2017 में लगभग 491 वर्ग किमी क्षेत्र को कवर करते हुए पूरा किया गया था। दमन में, यह अध्ययन वर्ष 2021-22 के दौरान लगभग 72 वर्ग किमी क्षेत्र को कवर करते हुए पूरा किया गया था, जबकि दीव में यह वर्ष 2022 में लगभग 40 वर्ग किमी क्षेत्र को कवर करते हुए पूरा किया गया था। इन अध्ययनों में जलभृत मानचित्र और स्थान-विशिष्ट भूजल प्रबंधन योजनाएं शामिल हैं, जो स्थायी भूजल प्रबंधन के लिए आपूर्ति-पक्ष के उपयुक्त कार्यकलापों, यथा छत का वर्षा जल संचयन, परकोलेशन टैंक और चेक डैम, के साथ-साथ मांग-पक्ष के उपायों, जिनमें सूक्ष्म-सिंचाई, जल-बचत प्रथाओं और उपयुक्त फसल पैटर्न भी शामिल हैं, की सिफारिश करती हैं। उपयुक्त कार्यान्वयन के लिए जलभृत मानचित्र और प्रबंधन योजनाओं को संबंधित संघ राज्य क्षेत्र के अधिकारियों के साथ साझा किया गया है।

*****

अनुलग्नक

"भूजल में प्रदूषकों का पता लगाना" के संबंध में दिनांक 30.07.2026 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न सं. 1841 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव संघ राज्य क्षेत्र में भूजल की गुणवत्ता की वर्ष-वार निगरानी (2021-2025)

क्र. सं.	वर्ष	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	विद्युत चालकता (ईसी)		फ्लोराइड (एफ)		नाइट्रेट (NO_3)	
			विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या	ईसी > 3000 µS/cm वाले सैंपल का %	विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या	फ्लोराइड (एफ) >1.5 मि. ग्रा./लि. वाले सैंपलों का %	विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या	नाइट्रेट (NO_3) > 45 मि. ग्रा./लि. वाले सैंपल का %
1	2021	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	2	0	2	0	2	0
2	2022	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	22	4.55	22	4.55	22	4.55
3	2023	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	17	5.88	17	0	17	0
4	2024	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	17	5.88	17	0	17	0
5	2025	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	16	0	16	0	16	0

*****